Total Pages : 3 Roll No. .....

DPJ-104

मुहूर्त्त विचार

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा (डी.पी.जे.-12/16/17)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. चूड़ाकर्म एवं विद्यारम्भ मुहूर्त्त का निरूपण करें।

2. पुंसवन एवं सीमान्तोन्नयन मुहूर्त्त पर प्रकाश डालें।

3. मुहूर्त्त की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालें।

4. गृहप्रवेश मुहूर्त्त का उल्लेख करें।

5. ध्रुवसंज्ञक, चरसंज्ञक, उग्रसंज्ञक नक्षत्रों की उपयोगिता का निरूपण करें।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. देवालय मुहूर्त्त का उल्लेख करते हुए आवश्यकता का उल्लेख करें।

2. नामकर्म, जातकर्म, चुड़ाकर्म की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालें।

3. विवाह मुहूर्त्त का उल्लेख करें।

4. संस्कार क्यों आवश्यक है? प्रकाश डालें।

5. जीर्णगृहप्रवेश का शास्त्रीय विधि से उल्लेख करें।

6. काकिणी विचार क्यों आवश्यक है?

7. योग निर्माण के विषय में बताएं। 27 योगों का उल्लेख करें।

8. शुभ कार्यों में गुरु-शुक्र की आवश्यकता क्यों आवश्यक है? स्पष्ट करें।